1965C A letter to Banarasi Das Chaturvedi

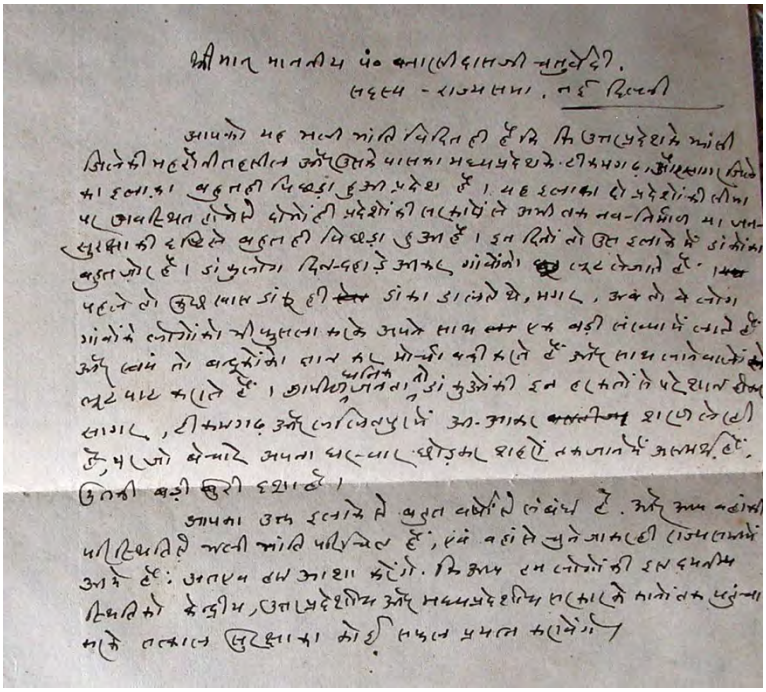

श्रीमान् माननीय पं० बनारसीदासजी चतुर्वेदी,
सदस्य - राज्यसभा, नई दिल्ली

आपको यह भली भांति विदित ही है कि कि उत्तरप्रदेशके झांसी जिलेकी महरौनी तहसील और उसके पासका मध्यप्रदेशके टीकमगढ़, और सागर जिले का इलाका बहुत ही पिछड़ा हुआ प्रदेश है। यह इलाका दो प्रदेशोंकी सीमा पर अवस्थित होनेसे दोनों ही प्रदेशोंकी सरकारोंसे अभी तक नव-निर्माण या जन-सुरक्षाकी दृष्टिसे बहुत ही पिछड़ा हुआ है। इन दिनों तो उस इलाके में डांकोंका बहुत ज़ोर है। डांकुलोग दिन-दहाड़े आकर गांवोंको लूट लेजाते हैं। पहले तो कुछ खास डांकू ही डांका डालते थे, मगर, अब तो वे लोग गांवोंके लोगोंको भी फुसला करके अपने साथ एक बड़ी संख्यामें लाते हैं और स्वयं तो बन्दूकोंको तान कर मोर्चा बन्दी करते हैं और साथ लानेवालोंको लूट पाट कराते हैं। ग्रामीण धनिक जनता तो डांकुओंकी इन हरकतोंसे परेशान होकर सागर, टीकमगढ़ और ललितपुरमें आ-आकर शरण लेरही है, पर जो बेचारे अपना घर-बार छोड़कर शहरों तक जानेमें असमर्थ हैं, उनकी बड़ी बुरी दशा है।

आपका उक्त इलाके से बहुत वर्षोंसे संबंध है, और आप वहांकी परिस्थितिसे भली भांति परिचित हैं, एवं वहांसे चुने जाकर ही राज्यसभामें आये हैं; अतएव हम आशा करेंगे कि आप हम लोगोंकी इस दयनीय स्थितिको केन्द्रीय, उत्तरप्रदेशीय और मध्यप्रदेशीय सरकारके कानोंतक पहुंचा करके तत्काल सुरक्षाका कोई सफल प्रयत्न करावेंगे।